राष्ट्रीय संगोष्ठी

4 -5 अक्टूबर , 2017

स्त्री अध्ययन विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
वर्धा
एवं
गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली
का संयुक्त आयोजन

स्थान: गालिब सभागार
समय: 10.30

संरक्षक

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति , म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

मार्गदर्शक

प्रो.आनंद वर्धन शर्मा
सम कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा
श्री कादर नवाज़ खान
कुलसचिव, म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा

वित्तीय सहयोग

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति नई दिल्ली

सलाहकार

प्रो. शंभु गुप्त
स्त्री अध्ययन विभाग
प्रो. मनोज कुमार
निदेशक, म.गां.फ.गु.सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र
वर्धा

समन्वयक

डॉ. सुप्रिया पाठक
प्रभारी विभागाध्यक्ष

संयोजक

श्री शरद जायसवाल

सह संयोजक

डॉ. अवंतिका शुक्ला

संकल्पना

महात्मा गांधी के संबंध में उपलब्ध कई लिखित दस्तावेज तथा उनके स्वयं के लेखन में और उनके जीवन में भी बा की भूमिका तथा उन्हें बापू बनाने में उनकी अथक मेहनत तथा लगन का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। बा महात्मा गांधी के साथ-साथ पूरे आज़ादी के आंदोलन में ना सिर्फ साथ रहीं बल्कि महिलाओं का नेतृत्व भी किया । इस दृष्टि से कस्तूरबा गांधी का महत्व स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अपना एक अलग स्थान रखता है जिस पर विशद चर्चा प्रासंगिक है। कस्तूरबा गांधी की तरह ही स्वतंत्रता के आंदोलन में कई महिलाएं सक्रिय थीं परंतु उनके संबंध में लिखित इतिहास अत्यंत कम मात्रा में उपलब्ध है। प्रस्तावित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य देश की महत्वपूर्ण गांधीवादी विदुषियों, कार्यकर्ताओं एवं कलाकारों को एकत्र कर नये सिरे से कस्तूरबा गांधी तथा अन्य स्त्रियों के लिखित एवं मौखित इतिहास से रुबरु होना है। इस संगोष्ठी से प्राप्त तथ्यों का प्रकाशन कर लोगों के बीच कस्तूरबा गांधी के महत्व को भी स्थापित करना है।

कार्यक्रम रूपरेखा

4 अक्टूबर 2017: उदघाटन सत्र
स्थान: गालिब सभागार
समय: 10.00

कस्तूरबा गांधी: 'बा' बनने की अंतर्कथा

संचालन
श्री शरद जायसवाल, संगोष्ठी संयोजक
स्वागत वक्तव्य
डॉ. सुप्रिया पाठक, संगोष्ठी समन्वयक
अध्यक्ष
प्रो.गिरीश्वर मिश्र, माननीय कुलपति
बीज वक्तव्य
प्रो. सविता सिंह, स्त्री अध्ययन केंद्र,
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय , नई दिल्ली

मुख्य अतिथि
प्रो. सुधीर चंद्रा, प्रसिद्ध इतिहासकार एवं
गांधीवादी अध्येता, नई दिल्ली

विशेष उपस्थिति
प्रो.आनंद वर्धन शर्मा, सम कुलपति
धन्यवाद ज्ञापन
डॉ.अवंतिका शुक्ला, संगोष्ठी सह संयोजक

द्वितीय सत्र : समानांतर सत्र
(समय: 2.30)
कस्तूरबा गांधी : 'बा' बनने की अंतर्कथा
आज़ादी के आंदोलन की अदृश्य स्त्रियाँ
अहिंसक आंदोलनों की स्त्रियाँ
वर्तमान महिला आंदोलन एवं चुनौतियाँ

सांस्कृतिक संध्या: सायं 6.00
नाटय प्रस्तुति: " बा"

5 अक्टूबर , 2017
तृतीय सत्र: आज़ादी के आंदोलन की अदृश्य स्त्रियाँ (समय: प्रातः 10.00)
संचालन :डॉ. सुप्रिया पाठक
अध्यक्षता: प्रो.लता सिंह,निदेशक, स्त्रीअध्ययन केंद्र,
जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
वक्ता : डॉ. अवंतिका शुक्ला
वक्ता : श्री संदीप सपकाले
चतुर्थ सत्र :वर्तमान महिला आंदोलन एवं चुनौतियाँ(समय: 12.30)
संचालन : श्री शरद जायसवाल
मुख्य वक्ता: डॉ.साधना आर्या
सह प्रोफेसर, राजनीतिशास्त्र विभाग, दिल्ली
विश्वविद्यालय
वक्ता : डॉ. धम्मसंगिनी,सहायक प्रोफेसर
स्त्री अध्ययन विभाग,नागपूर विश्वविद्यालय

पंचम सत्र : अहिंसक आंदोलनों की स्त्रियाँ
(समय: 2.30)
संचालन :डॉ.अवंतिका शुक्ला
अध्यक्षता : तंकमणि अम्मा, पूर्व प्रोफेसर एवं
विभागाध्यक्ष,केरल विश्वविद्यालय,तिरुवनंतपुरम
मुख्य वक्ता :श्रीमती अरुन्धति ध्रुव,मानवाधिकार
कार्यकर्ता
वक्ता : प्रो. अरुण त्रिपाठी
वक्ता : डॉ. चित्रा माली
वक्ता : श्री रवींद्र रुक्मिणी पंढरीनाथ

समापन सत्र
(समय: 5.30)

रिपोर्टिंग, फीडबैक व प्रमाण पत्र वितरण
संचालन :डॉ अवंतिका शुक्ला
अध्यक्षता : प्रो.गिरीश्वर मिश्र, माननीय कुलपति
कस्तूरबा सम्मान:
श्रीमती उषा बेन , पवनार आश्रम
डॉ. रानी बंग, सर्च संस्थान, गढचिरौली
श्रीमती कुसुम पाण्डेय, सेवाग्रम आश्रम
धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. सुप्रिया पाठक, प्रभारी
अध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग

❖